Ch-3 WORKSHEET

1) क) दोनों मित्र कहाँ जा रहे थे? और कौन गंजा था?

उ= दोनों मित्र नगर को ओर जा रहे थे। निखिल गंजा था

ख) दोनों दोस्तों में कौन आस्तिक और कौन नास्तिक है?

उ= गौरव आस्तिक और निखिल नास्तिक था।

ग) किस कारण हम ईश्वर के रचना को दोष पुर्ण मानते हैं?

उ= अज्ञानता और अविवेक के कारण हम ईश्वर के रचना को दोष पुर्ण मानते हैं।

घ) निखिल ने ईश्वर के बारे में क्या कहा?

उ= निखिल ने कहा की ईश्वर त्रुटिपूर्ण है और दोष से भरी है।

ङ) गौरव ने ईश्वर के बारे मे क्या कहा?

उ= गौरव ने कहा ईश्वर की रचना दोष हीन है और ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है।

२क) तरबूज पेड़ पर लगाते हैं। (असत्य)

ख) सूर्य ठेकेदार पहुँचा रहा था। (असत्य)

ग) आम बोरों पर लगाते हैं। (असत्य)

घ) ईश्वर जो करता है, अच्छा ही करता है। (सत्य)

३क) दिन-दीन युग्म में भिन्नार्थक ~~शब्द~~ शब्द दिवस और गरिब है।

ख) 'मधुर' शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप मधुरता है।

ग) 'अबाध्य' का विपरीतार्थक शब्द सबाध्य है।

घ) ~~'अतिथि'~~ 'अधीन' का पर्यायवाची शब्द मातहत है।

ङ) 'आँख का तारा' मुहावरे का अर्थ प्यारा है।

च) 'आम के आम गुठलियों के दाम' लोकोक्ति का अर्थ दोहरा लाभ प्राप्त होना है।